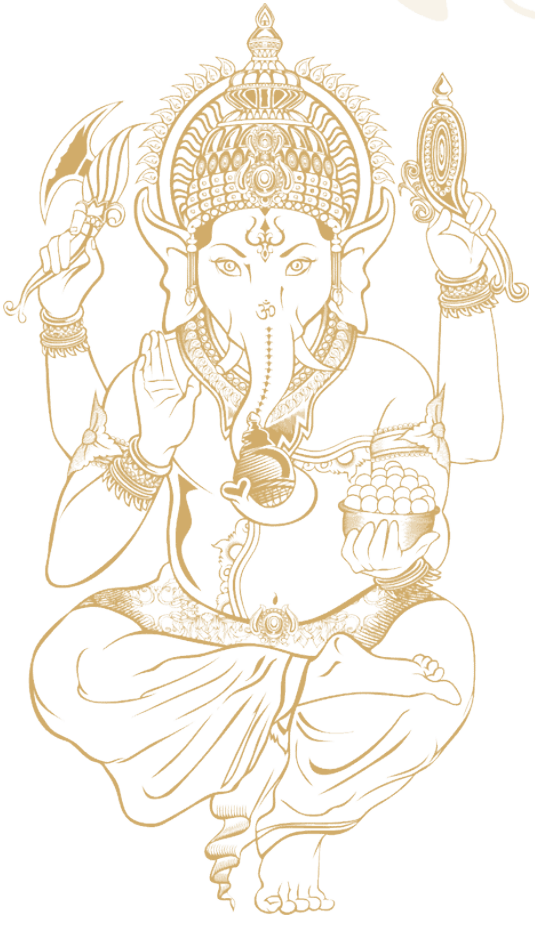

Anshu pandey

Sobhit

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121734201

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121734201 Date: 28/03/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/07/1999	जन्म तिथि	31-01/11/1999
शनिवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 11:40:00	जन्म समय	05:15:00 घंटे
घटी 16:03:02	जन्म समय(घटी)	57:39:09 घटी
India	देश	India
Gonda	स्थान	Gonda
27:08:00 उत्तर	अक्षांश	27:08:00 उत्तर
81:58:00 पूर्व	रेखांश	81:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:02:08	स्थानिक संस्कार	-00:02:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:14:47	सूर्योदय	06:11:20
18:59:55	सूर्यास्त	17:20:05
23:50:49	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:02

कन्या	लग्न	तुला
बुध	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
वृष	राशि	कर्क
शुक्र	राशि-स्वामी	चन्द्र
रोहिणी	नक्षत्र	आश्लेषा
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	बुध
2	चरण	2
गण्ड	योग	शुभ
तैतिल	करण	तैतिल
वा-वासुदेव	जन्म नामाक्षर	डू-डूंगरी
कर्क	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
वैश्य	वर्ण	विप्र
चतुष्पाद	वश्य	जलचर
सर्प	योनि	मार्जार
मनुष्य	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
मृग	वर्ग	श्वान

Acharya Ashok Shukla Vedpathi Shiva Shiv Astrology Research Centre
Brahmavidyapeeth Shukatirtha
9897180017
ashok.shukla.mzn@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 6वर्ष 9मा 15दि		17:01:07	कन्या	लग्न	तुला	01:02:06	बुध 12वर्ष 3मा 3दि	
राहु		23:43:33	मिथु	सूर्य	तुला	14:15:03	शुक्र	
25/04/2013		14:16:31	वृष	चंद्र	कर्क	20:23:03	03/02/2019	
26/04/2031		07:56:21	तुला	मंगल	धनु	17:04:01	03/02/2039	
राहु	06/01/2016	15:21:01	कर्क	बुध	वृश्चि	06:47:04	शुक्र	05/06/2022
गुरु	01/06/2018	07:53:32	मेष	गुरु व	मेष	04:58:27	सूर्य	05/06/2023
शनि	07/04/2021	04:48:22	सिंह	शुक्र	सिंह	27:45:50	चन्द्र	03/02/2025
बुध	25/10/2023	21:10:17	मेष	शनि व	मेष	20:18:00	मंगल	05/04/2026
केतु	12/11/2024	19:18:14	कर्क व	राहु व	कर्क	14:41:28	राहु	05/04/2029
शुक्र	12/11/2027	19:18:14	मक व	केतु व	मक	14:41:28	गुरु	05/12/2031
सूर्य	06/10/2028	22:02:41	मक व	हर्ष	मक	19:02:40	शनि	03/02/2035
चन्द्र	07/04/2030	09:33:33	मक व	नेप	मक	07:49:37	बुध	04/12/2037
मंगल	26/04/2031	14:17:51	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	15:17:32	केतु	03/02/2039

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:49 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:02

लग्न-चलित

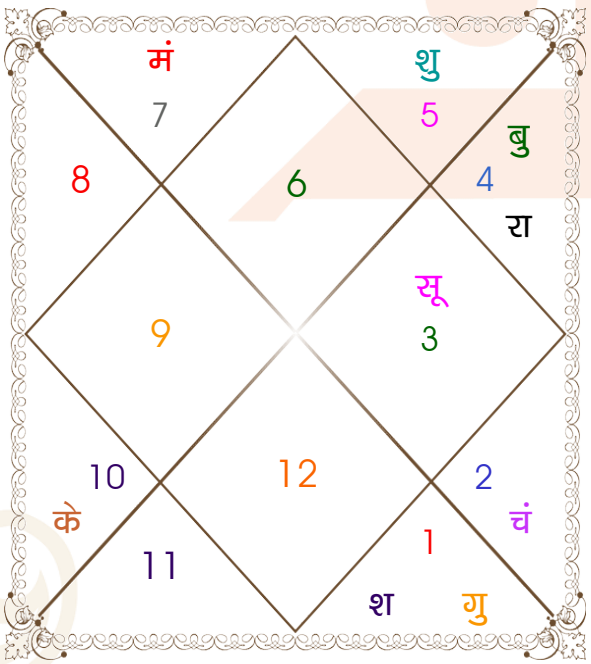

लग्न-चलित

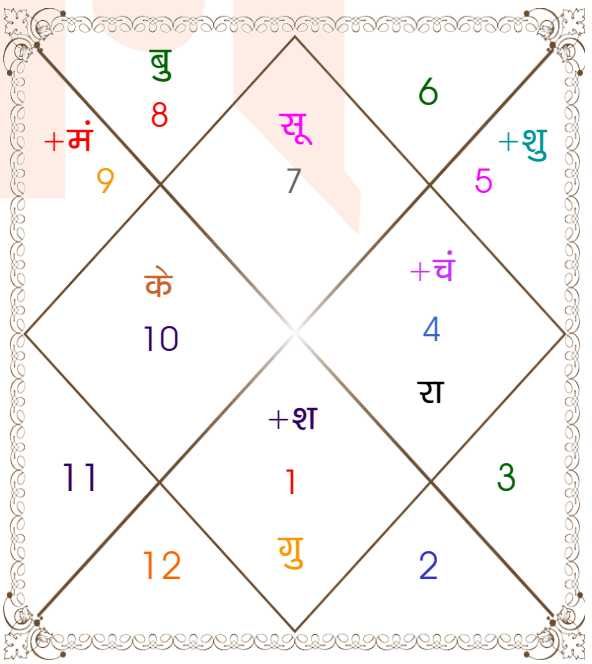

Acharya Ashok Shukla Vedpathi Shiva Shiv Astrology Research Centre
Brahmavidyapeeth Shukatirtha
9897180017
ashok.shukla.mzn@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	चन्द्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृष	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	12.00		

कुल : 12 / 36

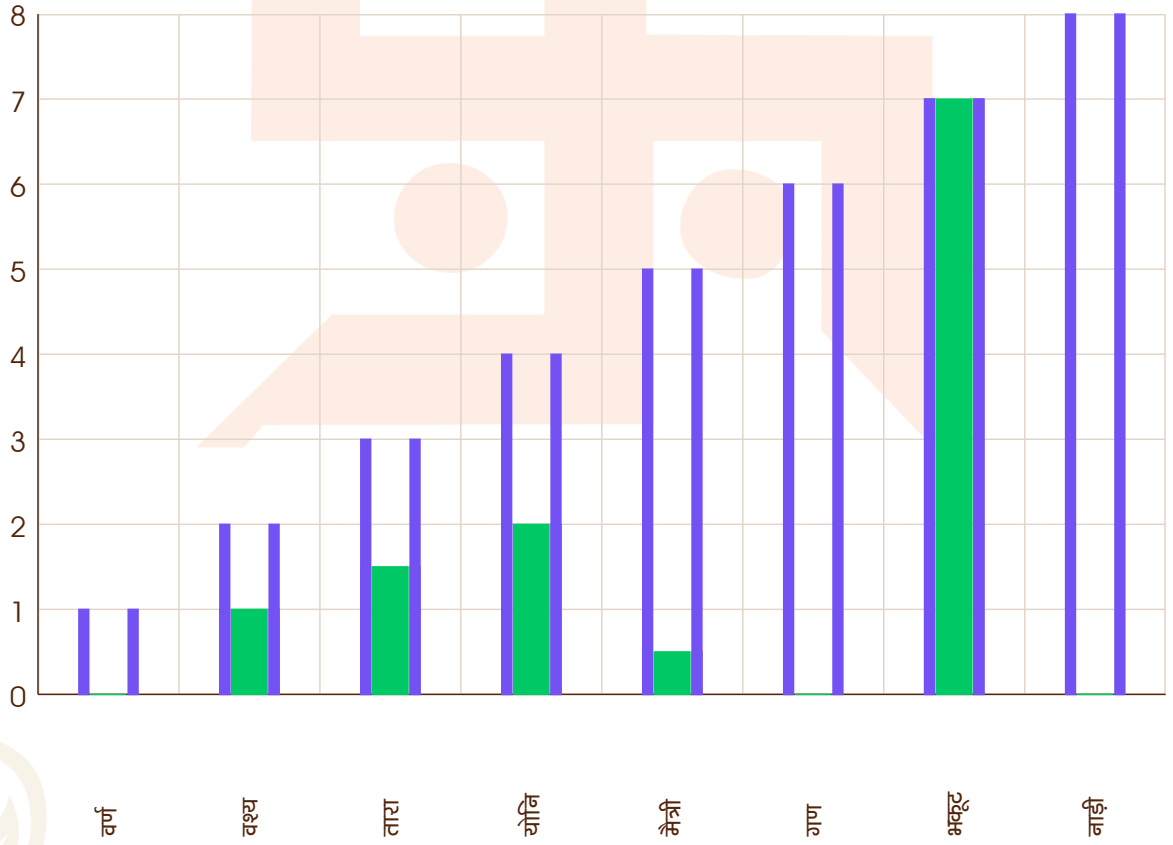

अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि ।दीन चंदकमल का नक्षत्र रोहिणी है।

।दीन चंदकमल का वर्ग मृग है तथा Sobhit का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।दीन चंदकमल और Sobhit का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

।दीन चंदकमल मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Sobhit मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

।दीन चंदकमल तथा Sobhit में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

।दीन चंदकमल का वर्ण वैश्य है तथा Sobhit का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि Sobhit का वर्ण ।दीन चंदकमल के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। Sobhit अति अहंकारी, शाहखर्च एवं दिखावा करने वाली होगी। Sobhit को हमेशा यह महसूस होता रहेगा कि उसका पति निम्न दर्जे का है तथा बहुत कम कमाता है। इस कारण से उसमें निराशा की भावना घर कर कर सकती है।

वश्य

।दीन चंदकमल का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं Sobhit का वश्य जलचर है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। पशु एवं जलचर दोनों का साथ-साथ प्रकृति में सह अस्तित्व होता है। इसलिये दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार एवं पसंद/नापसंद अलग-अलग होंगे। जिसके फलस्वरूप दोनों शायद ही कभी एक-दूसरे को नुकसान पहुंचायेंगे। ।दीन चंदकमल एवं Sobhit दोनों अपने-अपने अलग कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व निभाते रहेंगे। इस मिलान में ।दीन चंदकमल एवं Sobhit दोनों एक-साथ प्रेमपूर्वक अपने कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

।दीन चंदकमल की तारा प्रत्यरि तथा Sobhit की तारा साधक है। ।दीन चंदकमल की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत ।दीन चंदकमल कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप Sobhit को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

।दीन चंदकमल की योनि सर्प है तथा Sobhit की योनि मार्जार है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या

कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ।दीन चंदकमल का राशि स्वामी Sobhit के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि Sobhit का राशि स्वामी ।दीन चंदकमल के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

।दीन चंदकमल का गण मनुष्य तथा Sobhit का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः Sobhit का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण ।दीन चंदकमल एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

।दीन चंदकमल से Sobhit की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा Sobhit से ।दीन चंदकमल की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण ।दीन चंदकमल अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर Sobhit सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

नाड़ी

।दीन चंदकमल की नाड़ी अन्त्य है तथा Sobhit की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ।दीन चंदकमल एवं Sobhit की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

।दीन चंदकमल की जन्म राशि भूमितत्व युक्त वृष राशि है तथा Sobhit की जलतत्व युक्त कर्क राशि है। जलतत्व एवं पृथ्वी तत्व में नैसर्गिक समानता होती है। अतः ।दीन चंदकमल और Sobhit के स्वभाव एवं प्रवृतियों में समानता होगी फलतः उनका दाम्पत्य जीवन सुख शांति एवं समृद्धि से युक्त रहेगा।

।दीन चंदकमल और Sobhit के राशि स्वामी परस्पर शत्रु एवं सम है। सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति विशेष अनुकूल नहीं है। अतः भावनात्मक स्तर पर इन दोनों में विषमता का भाव रहेगा। Sobhit का स्वभाव स्वतंत्र प्रवृति का रहेगा तथा स्वेच्छा अनुसार वे कार्य करना पसंद करेंगी परन्तु ।दीन चंदकमल की प्रवृति इसके विपरीत रहेगी। इस प्रकार परस्पर मतभेदों के कारण विशेष खुशी की प्राप्ति अल्प ही होगी।

।दीन चंदकमल और Sobhit की राशियां परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट है। अतः इसके शुभ प्रभाव से उपरोक्त विषमताओं में न्यूनता आएगी तथा आपस में प्रेम एवं स्नेह के भाव से रहकर सांसारिक सुखो का उपभोग करेंगे। साथ ही इच्छित मात्रा में धनार्जन भी होगा एवं पारिवारिक सुविधाओं पर भी व्यय करेंगे।

।दीन चंदकमल का वश्य चतुष्पद एवं Sobhit का वश्य जलचर है। नैसर्गिक रूप से चतुष्पद एवं जलचर की समानता रहती है। अतः इसके प्रभाव से इनका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर समानता के कारण परस्पर सन्तुष्टि एवं प्रसन्नता बनी रहेगी। वे एक दूसरे की काम भावनाओं को शान्त करने में भी समर्थ रहेंगे।

।दीन चंदकमल का वर्ण वैश्य है इसके प्रभाव से वह व्यापारिक दृष्टि से कार्य कलाप एवं धनार्जन करेंगे परन्तु Sobhit का ब्राहमण वर्ण होने के कारण शैक्षणिक तथा धार्मिक क्षेत्रों में रूचि रहेगी तथा सत्कार्यो को करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

धन

।दीन चंदकमल और Sobhit की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। ।दीन चंदकमल और Sobhit की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय में नित्य वृद्धि होगी जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा। अतः धनार्जन होता रहेगा।

Sobhit एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना होगी। यह लाटरी या सट्टे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक सम्पति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना

जीवन व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

।दीन चंदकमल तथा Sobhit दोनों की ही अन्त्य नाड़ी है। अतः दोनों नाड़ी दोष से पीड़ित रहेंगे इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक अस्वस्थता के कारण सांसारिक महत्व के कार्यो को करने में परेशानी की अनुभूति होगी। इससे Sobhit को गले से संबधित कोई परेशानी हो सकती है तथा कफ या वात संबंधी कष्ट का भी सामना करना पड़ेगा। लेकिन मंगल का इन पर कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं रहेगा। अतः रोग की गंभीरता से बचाव रहेगा लेकिन समय समय पर न्यूनाधिक कष्ट की इन्हें अनुभूति होती रहेगी। इसके अतिरिक्त Sobhit को यदा कदा यौन संबंी गुप्त रोगों का भी सामना करना पड़ सकता है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा जिससे इसकी यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

संतति की दृष्टि से ।दीन चंदकमल और Sobhit का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से ।दीन चंदकमल और Sobhit को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त ।दीन चंदकमल और Sobhit के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

Sobhit का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः Sobhit के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती है उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार Sobhit सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा ।दीन चंदकमल और Sobhit को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार ।दीन चंदकमल और Sobhit का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

Sobhit के अपने सास से संबध सामान्य ही रहेंगे तथा विशिष्ट मधुरता के भाव की समय समय पर न्यूनता का आभास होगा परन्तु आपसी सामंजस्य से किंचित अनुकूलता इसमें बनाए रखने में दोनों समर्थ रहेंगे। यदा कदा इनके मध्य मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होगा

परन्तु यह क्षणिक होगा एवं गंभीर नहीं होगा। साथ ही Sobhit सास को अपने माता के समान सेवा तथा सम्मान प्रदान करेंगी।

अपने विनम्र स्वभाव सामंजस्य की प्रवृति तथा सेवा भाव के कारण ससुर की प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबधों में तनाव रहेगा तथा आपस में आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव विद्यमान रहेगा परन्तु यदि Sobhit किंचित धैर्य एवं सामंजस्य से कार्य ले तो इनसे संबधों में मधुरता उत्पन्न हो सकती है तथा वे भी Sobhit को यथोचित सम्मान एवं सहयोग प्रदान करेंगे।

इस प्रकार सास ससुर का दृष्टि कोण Sobhit के प्रति सामान्यतया अच्छा रहेगा एवं परिवार के सदस्य के रूप में वे उसे स्वीकार करेंगे ।

ससुराल-श्री

।दीन चंदकमल के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को ।दीन चंदकमल अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी ।दीन चंदकमल के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण ।दीन चंदकमल के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।